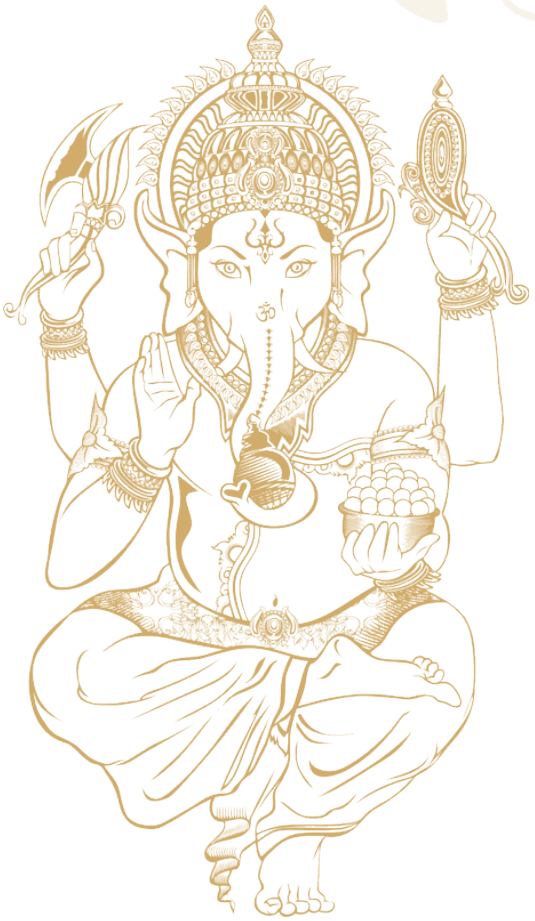

Sandeep Gitanjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121902004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/10/1993	जन्म तिथि	26/01/1997
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 03:25:00	जन्म समय	23:37:00 घंटे
घटी 54:00:03	जन्म समय(घटी)	42:11:08 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Lucknow
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:58	सूर्योदय	06:54:37
17:41:54	सूर्यास्त	17:43:33
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:00

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 7मा 1दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 14वर्ष 8मा 26दि	
सूर्य		11:59:22	सिंह	लग्न	तुला	01:43:08	चन्द्र	
04/05/2024		14:57:17	कन्या	सूर्य	मक	13:01:19	24/10/2017	
04/05/2030		27:11:10	मीन	चंद्र	सिंह	16:50:25	24/10/2027	
सूर्य	21/08/2024	09:29:10	तुला	मंगल	कन्या	11:28:43		
चन्द्र	20/02/2025	07:20:16	तुला	बुध	धनु	18:38:05	चन्द्र	24/08/2018
मंगल	28/06/2025	27:42:26	कन्या	गुरु	मक	07:23:16	मंगल	25/03/2019
राहु	23/05/2026	18:50:10	सिंह	शुक्र	धनु	26:52:38	राहु	23/09/2020
गुरु	11/03/2027	00:25:53	कुंभ व	शनि	मीन	09:18:36	गुरु	23/01/2022
शनि	21/02/2028	10:35:08	वृश्चि व	राहु व	कन्या	06:01:27	शनि	24/08/2023
बुध	27/12/2028	10:35:08	वृष व	केतु व	मीन	06:01:27	बुध	23/01/2025
केतु	04/05/2029	24:27:44	धनु	हर्ष	मक	10:56:16	केतु	24/08/2025
शुक्र	04/05/2030	24:36:11	धनु	नेप	मक	03:58:55	शुक्र	25/04/2027
		29:55:30	तुला	प्लूटो	वृश्चि	11:18:24	सूर्य	24/10/2027

लग्न-चलित

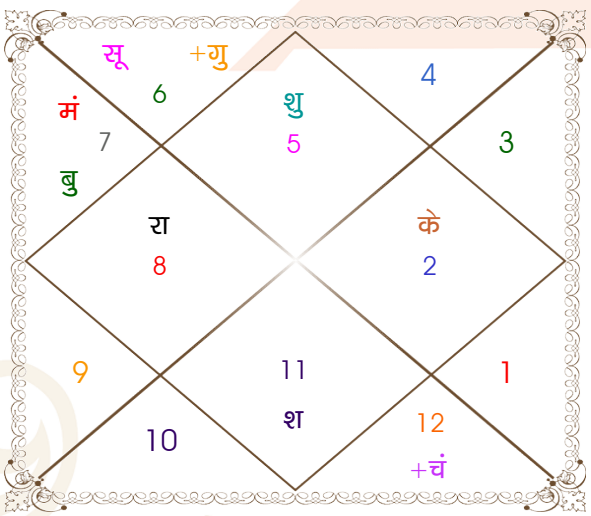

लग्न-चलित

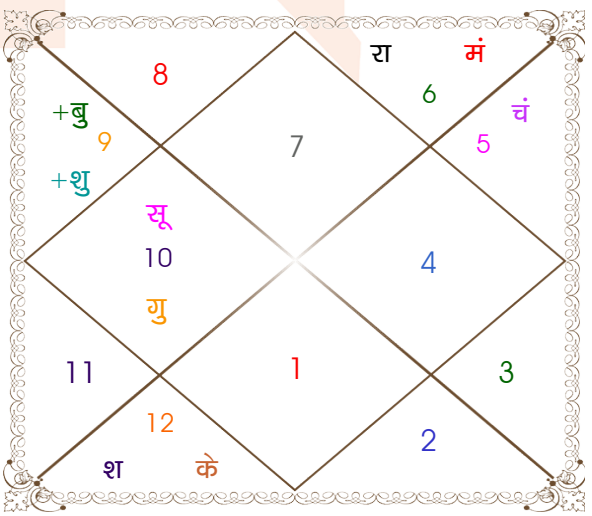

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ैदकममच का वर्ग सिंह है तथा ळपजंदरंसप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैदकममच और ळपजंदरंसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ळपजंदरंसप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळपजंदरंसप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ळपजंदरंसप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैदकममच कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैदकममच तथा ळपजंदरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।